Series **E1GFH/1**

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **2/1/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** ।

(iii) **खण्ड अ** में **45** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** उप-प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काव्यांश – 1

(क) वंदनीय तू कर्ण, देखकर तेज तिग्म अति तेरा,
काँप उठा था आते ही देवत्वपूर्ण मन मेरा ।
किन्तु, अभी तो तुझे देख मन और डरा जाता है,
हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है ।

दीख रहा तू मुझे ज्योति के उज्ज्वल शैल अचल-सा
कोटि-कोटि जन्मों के संचित महापुण्य के फल-सा
त्रिभुवन में जिन अमित योगियों का प्रकाश जगता है
उनके पूँजीभूत रूप-सा तू मुझको लगता है ।

खड़े दीखते जगतनियंता पीछे तुझे गगन में
बड़े प्रेम से लिए तुझे ज्योतिर्मय आलिंगन में
दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ, तप तेरे
सब प्रकाश बन खड़े हुए हैं तुझे चतुर्दिक घेरे

मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है
मस्तक सूँघ स्वत्व अपना यह कहकर जतलाती है
इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है,
सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है ।

(i) 'हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है ।' – पंक्ति में 'हृदय सिमटने' का क्या आशय है ?

(a) आनंदित होना
(b) संकुचित होना
(c) दुखी होना
(d) प्रायश्चित होना

https://www.evidyarthi.in/

(ii) काव्यांश में 'जगतनियंता' से किसे संबोधित किया गया है ?

(a) चन्द्रमा को

(b) ब्रह्मा को

(c) कृष्ण को

(d) सूर्य को

(iii) दान, धर्म, व्रत तथा योग किस रूप में कर्ण को चारों ओर से सुरक्षित किए हुए है ?

(a) भक्ति रूप में

(b) प्रकाश रूप में

(c) ऊर्जा रूप में

(d) धर्म रूप में

(iv) 'मही' का अर्थ है :

(a) धरती

(b) आकाश

(c) आग

(d) गोद

(v) सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है — काव्य-पंक्ति में 'मुझ' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

(a) कुंती

(b) राधा

(c) पृथ्वी

(d) अधिरथ

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है ।
जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला ।।

https://www.evidyarthi.in/

दिया अस्थि देकर दधीचि ने, शिवि ने अंग कतर कर,
हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर ।
ईसा ने संसार-हेतु शूली पर प्राण गँवा कर
अंतिम मूल्य दिया गाँधी ने तीन गोलियाँ खाकर

हँसकर लिया मरण ओठों पर, जीवन का व्रत पाला,
अमर हुआ सुकरात जगत में पीकर विष का प्याला ।
मरकर भी मनसूर नियति की सह पाया ना ठिठोली,
उत्तर में सौ बार चीखकर बोटी-बोटी बोली ।

दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है
एक रोज तो हमें स्वयं सब-कुछ देना पड़ता है ।
बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं
ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं ।

(i) संसार में अमर पद को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है :

(a) आत्मदान करना

(b) परोपकार करना

(c) त्याग करना

(d) आत्मोत्सर्ग करना

(ii) सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुषों में किसका नाम अमर है ?

(a) राम

(b) कृष्ण

(c) शिवि

(d) हरिश्चन्द्र

https://www.evidyarthi.in/

(iii) 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं' — काव्य-पंक्ति में 'ऋतु' शब्द का क्या अर्थ है ?

(a) मौसम

(b) परम्परा

(c) समय

(d) रीति

(iv) कवि के अनुसार संसार में कौन बच जाता है ?

(a) शासक

(b) अमीर

(c) दानी

(d) कृपण

(v) काव्यांश में कवि ने महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया है ?

(a) उनका परिचय देने के लिए

(b) उनसे सीख लेने के लिए

(c) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

(d) धर्म की वास्तविकता को जानने के लिए

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : *10×1=10*

वैश्विक महामारी, संघर्ष और प्राकृतिक आपदा के बीच पूरा विश्व अवसाद से गुजर रहा है । औद्योगिक क्रांति की लहर के कारण पृथ्वी की पारिस्थितिकी और इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों में एक नया और उल्लेखनीय मोड़ आया । करीब पाँच हज़ार वर्ष पहले हुए कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था । पहली औद्योगिक क्रांति 250 साल पहले हुई थी जो मुख्यत: कोयले और भाप के साथ हुई थी; दूसरी औद्योगिक क्रांति बिजली और तेल के साथ तथा तीसरी कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों के साथ और अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है । बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के साथ मानवता ने नए युग में प्रवेश किया । हमने स्वयं के विनाश करने की शक्ति पा ली यह सुनिश्चित किए बिना कि हम ऐसा होने से रोक सकते थे ।

https://www.evidyarthi.in/

एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे । विस्तृत औद्योगीकरण, कारखानों के प्रसार, सड़कों के निर्माण के लिए जंगलों के कटाव, विशाल बाँधों और विस्तृत उत्पादन आदि के लिए नदियों को रोकने, यातायात के साधनों की गतिविधियों और लोगों के पलायन ने पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी पैदा की है । जिसके फलस्वरूप पर्यावरण परिवर्तन और भूमंडलीय ताप में वृद्धि को नकारा नहीं जा सकता है ।

आज प्रकृति और विश्व-शांति दोनों ही ख़तरे में हैं । विकास ने भू-राजनीति के साथ मिलकर मानवता को ख़तरे में डाल दिया है । और हमें यह नहीं पता कि वर्तमान की संकटमय परिस्थिति के आत्मघाती तरीकों से कैसे उबरा जाए ?

आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा हो रहा है और इसमें इतनी क्षमता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है । पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन की भयावह चुनौतियाँ दहला देने वाली हैं । अब इस बात की आवश्यकता है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाया जाए । इस मुद्दे का केन्द्र बिन्दु यह है कि हम अपनी सभ्यता की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए किस प्रकार नए और संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ सकते हैं ।

(i) मानव अस्तित्व को सबसे अधिक ख़तरा किससे है ?

(a) जलवायु परिवर्तन से

(b) औद्योगीकरण से

(c) बढ़ती महामारी से

(d) प्रदूषण से

(ii) पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए सबसे ठोस उपाय हो सकता है :

(a) कड़े कानून लागू करना

(b) औद्योगीकरण पर पाबंदी

(c) सोच और व्यवहार में बदलाव

(d) जागरूकता

https://www.evidyarthi.in/

(iii) 'पृथ्वी की पारिस्थितिकी' से आप क्या समझते हैं ?

(a) पृथ्वी की बनावट

(b) धरती पर जीवन

(c) प्रकृति और पर्यावरण

(d) पर्यावरण में संतुलन

(iv) कृषि-क्रांति से जीवन पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा ?

(a) जीवन में संपन्नता आ गईं

(b) अन्न का पैदावार होने लगा

(c) उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव

(d) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

(v) कम्प्यूटर का विकास किस औद्योगिक क्रांति में हुआ ?

(a) पहली

(b) दूसरी

(c) तीसरी

(d) चौथी

(vi) बीसवीं शताब्दी में हमने अपने विनाश की शक्ति खोजी है, कैसे ?

(a) परमाणु बम बनाकर

(b) प्रौद्योगिकी विकास कर

(c) तकनीकी विकास कर

(d) डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर

(vii) प्रतिस्पर्धाविहीन दुनिया की कल्पना करना कठिन क्यों है ?

(a) प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा

(b) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

(c) त्याग की भावना का अभाव

(d) संतोष की भावना का अभाव

https://www.evidyarthi.in/

(viii) गद्यांश के आधार पर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के लिए किसे उत्तरदायी ***नहीं*** ठहराया जा सकता ?

(a) जंगलों का कटाव

(b) लोगों का पलायन

(c) प्राकृतिक आपदा

(d) विस्तृत औद्योगीकरण

(ix) आपकी दृष्टि में लोगों के पलायन का प्रमुख कारण क्या हो सकता है ?

(a) स्थायित्व की खोज

(b) भय से मुक्त जीवन

(c) बेहतर जीवन की तलाश

(d) आवागमन की सुविधा

(x) पर्यावरण परिवर्तन में आप किसकी प्रमुख भूमिका मानते हैं ?

(a) जनसंख्या वृद्धि

(b) औद्योगीकरण

(c) प्राकृतिक आपदा

(d) मानवीय गतिविधियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

(i) यूरोप के पुनर्जागरण में आप किसकी भूमिका को प्रमुख मानते हैं ?

(a) छापाखाना

(b) समाचार-पत्र

(c) औद्योगिक क्रांति

(d) नेता

(ii) अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर हमें प्राप्त होता है :

(a) प्रेस से

(b) दूरदर्शन से

(c) इंटरनेट से

(d) पुस्तकालय से

https://www.evidyarthi.in/

(iii) पत्रकारीय लेखन का संबंध आप किससे मानते हैं ?

(a) वास्तविक घटनाओं से

(b) साहित्यिक लेखन से

(c) सृजनात्मक लेखन से

(d) प्रभावकारी विचारों से

(iv) 'उलटा पिरामिड' शैली का संबंध है :

(a) फ़ीचर लेखन से

(b) आलेख लेखन से

(c) समाचार लेखन से

(d) कथा लेखन से

(v) विशेष लेखन की भाषा शैली किस तरह की होती है ?

(a) सामान्य लेखन की तरह

(b) समाचार लेखन की तरह

(c) सामान्य लेखन से अलग

(d) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,

नीड़ों से झाँक रहे होंगे

यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

मुझसे मिलने को कौन विकल ?

मैं होऊँ किसके हित चंचल ?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

https://www.evidyarthi.in/

(i) पक्षी अपने घर की ओर तेजी से क्यों लौट रहे हैं ?

(a) बच्चों की व्याकुलता के कारण

(b) सायंकाल हो जाने के कारण

(c) रात के अंधकार के कारण

(d) पैरों की शिथिलता के कारण

(ii) कवि, घर लौटने की शीघ्रता में नहीं दिखाई दे रहा है, क्योंकि :

(a) उसके पास घर नहीं है ।

(b) वह किसी के लिए चिन्तित नहीं है ।

(c) वह अपने घर पर ही है ।

(d) उसका कोई अपना नहीं है ।

(iii) बच्चे घोंसले से क्यों झाँक रहे हैं ?

(a) भोजन की प्रतीक्षा में

(b) माँ की प्रतीक्षा में

(c) रात हो जाने की आशंका से

(d) बाहरी भय की आशंका से

(iv) "पैरों का शिथिल होना" — का आशय है :

(a) रुक जाना

(b) आलस्य होना

(c) थकावट होना

(d) उत्साह नहीं होना

(v) कवि की बेचैनी का कारण है :

(a) उसका अधूरापन

(b) उसका अकेलापन

(c) उसका आवारापन

(d) उसकी भावुकता

https://www.evidyarthi.in/

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख़याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े बच्चों-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

(i) रात्रि की विभीषिका से आप क्या समझते हैं ?
- (a) रात का अँधेरा
- (b) रात का अकेलापन
- (c) रात की त्रासदी
- (d) रात का सूनापन

(ii) 'संजीवनी शक्ति' का अभिप्राय है :
- (a) जीने की शक्ति
- (b) शक्ति की औषधि
- (c) पुन: जीवित करने वाली काल्पनिक शक्ति
- (d) जीवन धारण करने वाली काल्पनिक शक्ति

(iii) शक्तिहीन आँखों में दंगल का दृश्य नाचने का क्या प्रभाव पड़ता था ?
- (a) लड़ने को तत्पर करना
- (b) उठ खड़ा होना
- (c) ऊर्जा का संचार करना
- (d) आँखों में चमक आना

(iv) ढोलक की आवाज मरने वाले की सहायता किस प्रकार करती थी ?
- (a) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर
- (b) कष्ट से मुक्ति दिलवाकर
- (c) महामारी से मुक्ति दिलवाकर
- (d) माया-मोह से मुक्ति दिलवाकर

https://www.evidyarthi.in/

(v) गद्यांश से यह पता चलता है कि :

(a) रात का दृश्य भयानक था ।

(b) गाँव के लोग बहुत ग़रीब थे ।

(c) गाँव महामारी की चपेट में था ।

(d) पहलवान रातभर ढोलक बजाता था ।

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किससे सीखी थी ?

(a) अपनी पत्नी से

(b) किशन दा से

(c) चड्ढा से

(d) अपने पिता से

(ii) यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़ना क्यों नहीं चाहते थे ?

(a) बड़ा घर होने के कारण

(b) किशन दा के प्रति विश्वास

(c) क्षेत्र विशेष से प्रेम के कारण

(d) यादें जुड़ी होने के कारण

(iii) सिल्वर वैडिंग की पार्टी देना यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' क्यों लग रहा था ?

(a) पुराने ख्याल के होने के कारण

(b) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

(c) दिखावे में विश्वास न रखने के कारण

(d) पार्टी में होने वाले खर्च के कारण

(iv) 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता पाठशाला से अधिक महत्त्व खेत तथा ढोर चराने को क्यों देते थे ?

(a) स्वयं अशिक्षित होने से

(b) खेतों से फ़सल मिलने से

(c) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

(d) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

https://www.evidyarthi.in/

(v) पाठशाला में पहुँचने के बाद लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ?

(a) पढ़ाई में मन नहीं लगने के कारण
(b) पहचान के लड़के नहीं होने के कारण
(c) साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण
(d) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

(vi) पाठशाला में सहपाठियों द्वारा तंग किए गए लेखक की तुलना किससे की गई है ?

(a) घायल गिलहरी से
(b) चूहा से
(c) कोयल से
(d) कौआ से

(vii) लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे ?

(a) शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार
(b) वसंत की दोस्ती
(c) केवल (a)
(d) (a) और (b) दोनों

(viii) नगर नियोजन की अनूठी मिसाल किसे कहा गया है ?

(a) माया सभ्यता
(b) मुअनजो-दड़ो
(c) महाकुंड
(d) मेसोपोटामिया

(ix) आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी के दौर में व्यापार ही नहीं, उन्नत खेती भी होती थी ?

(a) गढ़ होने से
(b) बैलगाड़ी मिलने से
(c) कोठार होने से
(d) कुंड होने से

(x) मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है ?

(a) मेलुहा
(b) उलेहा
(c) गढ़
(d) शिव

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) चलते-चलते पैरों में मोच आ जाना

(ख) जब मैट्रो की बिजली गुम हो गई

(ग) मैं और मेरा मित्र

(घ) पहाड़ी प्रदेश में एक दिन

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? मुद्रित माध्यमों की विशेषता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ख) समाचार लेखन के समय प्राय: किन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ? इन्हें किस रूप में जाना जाता है ? समाचार के मुखड़े, बॉडी और समापन में किन प्रश्नों को आधार बनाया जाता है ?

(ग) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद लेखन की महत्त्वपूर्ण शर्तों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) रेडियो नाटक में आवाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना खुले मैदान से क्यों की गई है ?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा था ।

(ख) 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों की रणभेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में किस प्रकार की चेतना उभरती है ।

(ग) 'उषा' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उषा का जादू टूटने से आप क्या समझते हैं ।

https://www.evidyarthi.in/

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) बात और भाषा किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़ी हुई है ?

(ख) "जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते" — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं" — कवि ने बच्चों के लिए ऐसा क्यों कहा है ?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?

(ख) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के अनुसार बाज़ार को सार्थकता कैसे लोग प्रदान करते हैं ?

(ग) पहलवान की ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार किस प्रकार करती थी ?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार भक्तिन के पास देर से क्यों भेजा होगा ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) डॉ. आंबेडकर ने किन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना है और क्यों ?

(ग) 'शिरीष' की किस विशेषता के कारण लेखक वनस्पतिशास्त्री के कथन को सच मानता है ?

https://www.evidyarthi.in/